

Amar Ujala Dt. 13-10-2026

सरकारी स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था की हकीकत परखेंगे बोर्ड अध्यक्ष

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा अब स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था की जमीनी हकीकत परखेंगे। प्रदेश में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने और स्कूलों की कार्यप्रणाली को अधिक जवाबदेह बनाने के मकसद से इसी माह से कांगड़ा और आसपास के क्षेत्रों में सरकारी व निजी स्कूलों का विशेष निरीक्षण अभियान शुरू किया जाएगा।

इसके तहत बोर्ड अध्यक्ष स्वयं फील्ड में उतरकर स्कूलों में पढ़ाई और निर्धारित शैक्षणिक मानकों के पालन की स्थिति की जांच करेंगे। निरीक्षण के दौरान यह परखा

कांगड़ा और आसपास के क्षेत्रों में सरकारी-निजी स्कूलों का करेंगे निरीक्षण

जाएगा कि स्कूलों में तय पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाई कराई जा रही है या नहीं।

इसके साथ ही पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता, उनके समुचित उपयोग और सिलेबस पूरा होने की गति का भी जायजा लिया जाएगा। अभियान के दौरान बोर्ड अध्यक्ष विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर उनके शैक्षणिक स्तर, पढ़ाई से जुड़ी समस्याओं और प्राथमिक जरूरतों को भी समझेंगे। ब्यूरो

शिक्षा की जमीनी हकीकत परखेंगे बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष



डा. राजेश शर्मा
● जागरण आर्काइव

डा. राजेश शर्मा प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता परखने के लिए स्वयं मैदान में उतरेंगे। स्कूलों में पढ़ाई के स्तर, पाठ्यक्रम की प्रगति और विद्यार्थियों को

उपलब्ध करवाई जा रही शैक्षणिक सुविधाओं का जायजा लेंगे। इसी माह से कांगड़ा और आसपास के क्षेत्रों के सरकारी और निजी स्कूलों में निरीक्षण अभियान शुरू किया जाएगा।

डा. राजेश शर्मा स्कूलों के निरीक्षण में यह जांचेंगे कि निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाई हो रही है या नहीं। पाठ्यपुस्तकों की समय पर उपलब्धता, उनके सही उपयोग और पाठ्यक्रम को पूरा करने की प्रगति की भी समीक्षा की जाएगी। बोर्ड अध्यक्ष का मानना है कि वातानुकूलित कमरों में बैठकर केवल कागजी रिपोर्टों के आधार पर शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का आकलन नहीं किया जा सकता। इसी उद्देश्य से उन्होंने स्वयं स्कूलों में पहुंचकर व्यवस्था की जमीनी हकीकत जानने का निर्णय लिया है।

शिक्षा की जमीनी हकीकत परखने मैदान में उतरेंगे बोर्ड अध्यक्ष

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — धर्मशाला

प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा एक बार फिर एक्शन मोड में आ गए हैं। राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और व्यवस्था को अधिक जवाबदेह बनाने के लिए वे अब कागजी रिपोर्ट्स के बजाय खुद जमीनी हकीकत परखेंगे। इसी माह से कांगड़ा और इसके आसपास के इलाकों में स्थित सरकारी और निजी स्कूलों में सघन निरीक्षण अभियान शुरू होने जा रहा है, जिसकी कमान स्वयं बोर्ड अध्यक्ष संभालेंगे। इस अभियान के तहत डा. राजेश शर्मा फील्ड में उतरकर स्कूलों की कार्यप्रणाली का औचक निरीक्षण करेंगे। उनका मुख्य

■ स्कूलों में शुरू होगा निरीक्षण, छात्रों से संवाद कर जांचेंगे पढ़ाई का स्तर

फोकस इस बात पर होगा कि स्कूलों में निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार सही ढंग से पढ़ाई हो रही है या नहीं। इसके अलावा, पाठ्य पुस्तकों की समय पर उपलब्धता, उनका सही उपयोग और सिलेबस की प्रगति का भी बारीकी से जायजा लिया जाएगा। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. शर्मा का स्पष्ट मानना है कि शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का आकलन वातानुकूलित कमरों में बैठकर केवल रिपोर्टों के माध्यम से नहीं किया जा सकता। निरीक्षण के दौरान वे सीधे विद्यार्थियों से संवाद करेंगे।

Dated:13-10-2026

हिमाचल दस्तक

न्यूज **1** नजर में

सरकारी और निजी स्कूलों में शुरू होगा निरीक्षण अभियान

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा इसी माह कांगड़ा और आसपास के क्षेत्रों के सरकारी व निजी स्कूलों का निरीक्षण करेंगे। अभियान के दौरान वे स्वयं स्कूलों में पहुंचकर पढ़ाई की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम की प्रगति और पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता का जायजा लेंगे। निरीक्षण के दौरान डॉ. शर्मा विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर उनके शैक्षणिक स्तर और समस्याओं को समझेंगे। साथ ही यह भी जांच जाएगा कि स्कूलों में निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाई हो रही है या नहीं। बोर्ड अध्यक्ष के अनुसार, शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक स्थिति जानने के लिए जमीनी स्तर पर निरीक्षण जरूरी है। अभियान का उद्देश्य कमियों की पहचान कर उन्हें दूर करना और सरकारी व निजी स्कूलों में शैक्षणिक मानकों का पालन सुनिश्चित करना है। निरीक्षण में सामने आने वाली खामियों पर नियमानुसार सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

अब फाइलों से नहीं चलेगी शिक्षा व्यवस्था, खुद मैदान में उतरेंगे बोर्ड अध्यक्ष

धर्मशाला, 12 अक्टूबर (सुनील): हिमाचल प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और व्यवस्था को जवाबदेह बनाने के लिए स्कूल शिक्षा बोर्ड ने कड़ा रुख अपनाया है। इसी महीने से राज्य के सरकारी और निजी स्कूलों में सघन औचक निरीक्षण अभियान की शुरुआत होने जा रही है।

इसके तहत अब कागजी रिपोर्टों के आधार पर समीक्षा करने के बजाय सीधे फील्ड में उतरकर स्कूलों की कार्यप्रणाली परखी जाएगी। बोर्ड का यह अभियान विशेष रूप से पढ़ाई के स्तर, पाठ्यक्रम की प्रगति और छात्रों को समय पर पाठ्यपुस्तकें मिलने



मानकों का पालन और कमियों पर तुरंत एक्शन

निरीक्षण के दौरान यह विशेष रूप से जांचा जाएगा कि स्कूलों में बोर्ड द्वारा तय किए गए शैक्षणिक मानकों का कड़ाई से पालन हो रहा है या नहीं। इस पूरी व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाने की

की स्थिति का जायजा लेने के लिए चलाया जा रहा है, जिसकी कमान खुद बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा संभालेंगे। बोर्ड अध्यक्ष का स्पष्ट मानना है कि वातानुकूलित कमरों में बैठकर केवल फाइलों और रिपोर्टों से शिक्षा व्यवस्था की असली तस्वीर नहीं

जिम्मेदारी उठाते हुए यह स्पष्ट किया गया है कि निरीक्षण का उद्देश्य सिर्फ कमियां तलाशना नहीं, बल्कि सामने आने वाली खामियों को दूर करने के लिए तुरंत सुधारात्मक कदम उठाना है।

समझी जा सकती।

इसी सोच के तहत यह अभियान शुरू किया जा रहा है, जिसमें कक्षाओं में जाकर सीधे विद्यार्थियों से संवाद किया जाएगा। इससे छात्रों की वास्तविक शैक्षणिक जरूरतों, समस्याओं और पढ़ाई के स्तर को करीब से समझा जा सकेगा, ताकि व्यवस्था में जरूरी सुधार किए जा सकें।